भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **3052**
दिनांक 11 जुलाई , 2019 / 20 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

ओडिशा में उड़ान योजना

3052. श्री रमेश चन्द्र माझी:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :
(क) क्या उड़ान योजना के अंतर्गत ओडिशा के लिए कुछ प्रस्ताव विचाराधीन हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है; और
(ख) उक्त प्रस्तावों पर कार्य कब तक शुरू होने की संभावना है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): क्षेत्रीय सम्पर्कता योजना (आरसीएस)-उड़ान के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के प्रथम चरण में जेयपोर, उतकेला, राउरकेला तथा झारसुगुड़ा हवाईअड्डों को जोड़ने वाले मार्ग प्रदान किए गए थे। एयरलाइनों द्वारा त्रुटि के कारण, इन मार्गों में से जेयपोर, उतकेला और झारसुगुड़ा हवाईअड्डों के मार्गों को रद्द कर दिया गया था। आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत बोली प्रक्रिया के दूसरे और तीसरे चरण में इन हवाईअड्डों के लिए मार्ग प्रदान किए गए थे। तथापि, जेयपोर और उतकेला हवाईअड्डों के लिए कोई वैध बोलियां प्राप्त नहीं हुईं थीं।

उड़ान योजना के तीसरे चरण के अंतर्गत, कोलकाता, भुगवनेश्वर, हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली तथा रायपुर हवाईअड्डों से झारसुगुड़ा हवाईअड्डे को जोड़ने वाले मार्ग प्रदान किए गए थे। झारसुगुड़ा-मुंबई मार्ग को छोड़कर शेष मार्गों पर प्रचालन आरंभ हो गया है। चयनित एयरलाइन द्वारा अपने प्रचालनों को रोकने के कारण झारसुगुड़ा-मुंबई मार्ग पर प्रचालन आरंभ नहीं हो सका है।

राउरकेला से भुवनेश्वर तथा रायपुर के लिए मार्ग क्रमश: मैसर्स एलायंस एयर तथा मैसर्स टर्बो एविएशन को प्रदान किए गए हैं। तथापि, राउरकेला हवाईअड्डे के तैयार न होने के कारण प्रचालन आरंभ नहीं हो पाया है।

*****